बीए सामान्य (सीबीसीएस)
बीएजी

सत्रीय कार्य (2022-23)

पाठ्यक्रम कोड: बी.ई.सी.ई. -146
पाठ्यक्रम का शीर्षक: भारतीय अर्थव्यवस्था II

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मैदान गढ़ी,
नई दिल्ली-110068

बीईसीई -146
भारतीय अर्थव्यवस्था II

सत्रीय कार्य(टीएमए)
2022-23

कार्यक्रम कोड: बीएजी

पाठ्यक्रम कोड: बी.ई.सी.ई. -146

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि बीएजी की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है, आपको अर्थशास्त्र के इस वैकल्पिक पाठ्यक्रम (बी.ई.सी.ई. -146) के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह एक शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)है और इसमें 100 अंक होते हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। टीएमए को आपको विभिन्न श्रेणियों के प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहां मूल्यांकन आपके उत्तर को व्यवस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। सत्रीय कार्य को तीन भागों में विभाजित किया गया है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग क में 20-20 अंकों के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। भाग ख में 10-10 अंकों के तीन प्रश्न होते हैं जबकि भाग ग में आपको 15 अंकों के दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

जमा करना : पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना है।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि है:

30 अप्रैल, 2023	**जून 2023 सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए**
31 अक्टूबर, 2023	**दिसंबर 2023 सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए**

बी.ई.सी.ई.-146: भारतीय अर्थव्यवस्था- II

कार्यक्रम कोड: बीएजी
पाठ्यक्रम कोड: बी.ई.सी.ई.-146
सत्रीय कार्य कोड: बीईसीई-146/एएसटी/टीएमए/2022-23
अधिकतम अंक: 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दें /

भाग क - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा-500 शब्द प्रत्येक) **2 × 20 = 40 अंक**

1) मौद्रिक नीति के विभिन्न उपस्करों की व्याख्या कीजिए।

2) हाल की घरेलू नीतियों के प्रभाव और भारत में सेवा क्षेत्र द्वारा सामना की जा रही निरंतर बाधाओं पर चर्चा करें।

भाग ख -मध्यम उत्तर प्रश्न (शब्द सीमा-250 शब्द प्रत्येक) **3 × 10 = 30 अंक**

3) राजकोषीय नीति के दो प्रमुख प्रकारों को उनके निहितार्थों सहित रेखांकित कीजिए।

4) एक अर्थव्यवस्था के समग्र आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहित करने में कृषि क्षेत्र के महत्व को इंगित करें।

5) 1991 के बाद के चरण के दौरान भारत के औद्योगिक निष्पादन की प्रवृत्ति का विश्लेषण करें ।

भाग ग -लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 100-शब्द प्रत्येक) **2 × 3 × 5 = 30 अंक**

6) निम्नलिखित के बीच अंतर करें।

   i. सूक्ष्म उद्यम और लघु उद्यम।
   ii. रेपो दर और विपरीत रेपो दर।
   iii. राजकोषीय घाटा और राजस्व घाटा।

7) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

   i. मध्यवर्ती सेवा क्षेत्र।
   ii. ऋण वरीयता क्षेत्र।
   iii. लघु जोत धारकों का समूहन।